



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Nidhi

09/01/2000 01:35

Delhi

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	09/01/2000
जन्म का समय	01:35
जन्म स्थान	Delhi
अक्षांश	28.7040592
देशान्तर	77.1024902
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.86204062962
सूर्योदय	07:20:59
सूर्यास्त	17:36:00

घटक चक्र

महीना	मंगल
तिथि	4 (चतुर्थी), 9 (नवमी), 14 (चतुर्थी)
विपरीत लिंग लग्न	सिंह
नक्षत्र	रोहिणी
भगवान	शनि
समलिंगी लग्न	कुंभ
Tatva	वायु
रासी	सिंह

पंचांग विवरण

तिथि	चतुर्थी
योग	वज्र
नक्षत्र	श्रवण
करण	गराज

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	वैश्य
वास्या	जलचर
योनि	बंदर
तिथि	शुद्धितिया
नक्षत्राधिपति	चंद्रमा
नक्षत्र	श्रवण
प्रबल	तुला
Tatva	पृथ्वी
करण	तैतुला
नक्षत्र स्वामी	शनि
दलदल	लोहा
नाम वर्णमाला	जू
रासी	मकर
नाड़ी	कफ

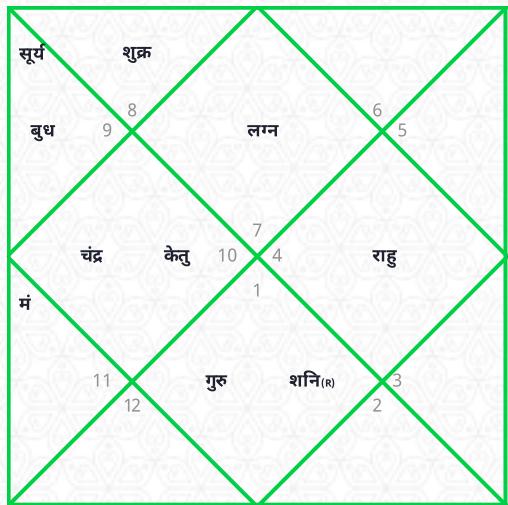
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश		तुला	187.65270003046152	शुक्र	स्वाति(1)	राहु	1
सूर्य		धनु	263.9961890461779	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़(4)	शुक्र	3
चंद्रमा		मकर	286.792070890449	शनि	श्रवण(3)	चंद्रमा	4
मंगल		कुंभ	309.8034221191336	शनि	शतभिषा(1)	राहु	5
बुध		धनु	259.6154686912327	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़(2)	शुक्र	3
बृहस्पति		मेष	1.7853156180511431	मंगल	अश्विनी(1)	केतु	7
शुक्र		वृश्चिक	226.61304633021044	मंगल	अनुराधा(4)	शनि	2
शनि		मेष	16.44051012497621	मंगल	भरानी(1)	शुक्र	7
राहु		कैंसर	100.81926710427159	चंद्रमा	पुष्य(3)	शनि	10
केतु		मकर	280.8192671042716	शनि	श्रवण(1)	चंद्रमा	4

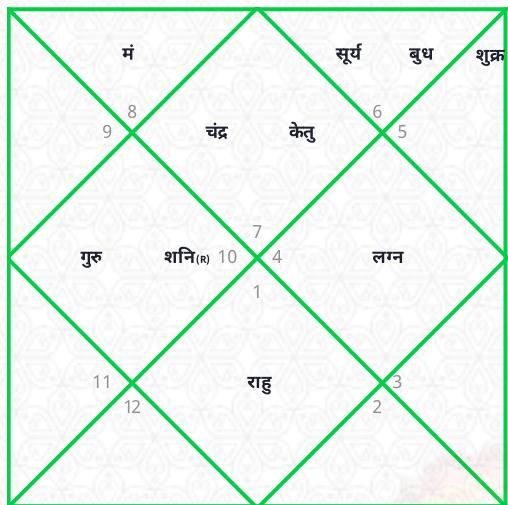
 सूर्य धनु पूर्वाषाढ़(4) नुकसानदायक	 चंद्रमा मकर श्रवण(3) तटस्थ	 मंगल कुंभ शतभिषा(1) मारक
 बुध धनु पूर्वाषाढ़(2) अत्यधिक लाभकारी	 बृहस्पति मेष अश्विनी(1) नुकसानदायक	 शुक्र वृश्चिक अनुराधा(4) लाभकारी
 शनि मेष भरानी(1) योगकारक	 राहु कैंसर पुष्य(3) अशुभ	 केतु मकर श्रवण(1) अशुभ

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

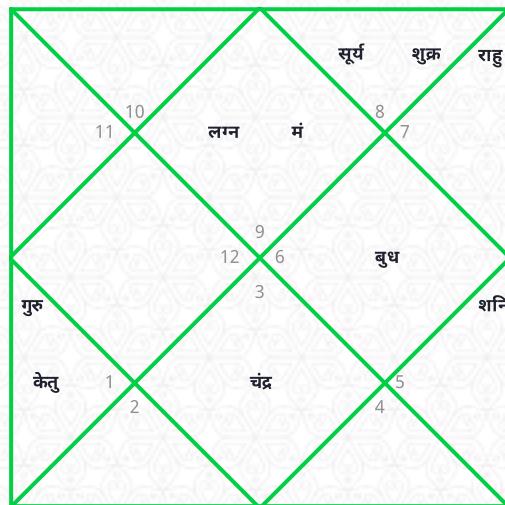


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
बुध	दुश्मन	दोस्त	--	--	दुश्मन	दोस्त	--
बृहस्पति	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	अंतरंग	--	दुश्मन	तटस्थ	तटस्थ	--
चंद्रमा	अंतरंग	--	--	अंतरंग	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	अंतरंग	अंतरंग	--	तटस्थ	अंतरंग	दोस्त	--
बुध	तटस्थ	तटस्थ	--	--	दुश्मन	अंतरंग	--
बृहस्पति	तटस्थ	अंतरंग	--	कटूर दुश्मन	--	कटूर दुश्मन	--
शुक्र	तटस्थ	तटस्थ	--	अंतरंग	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	कटूर दुश्मन	तटस्थ	--	तटस्थ	दुश्मन	तटस्थ	--

विंशोत्तरी दशा - 1

चंद्रमा		मंगल		राहु	
सोम अक्टूबर 09 1995	मंगल दिसंबर 07 2004	गुरु मई 05 2005	बुध दिसंबर 07 2011	मंगल अगस्त 19 2014	सोम दिसंबर 03 2029
चंद्रमा	अक्टूबर 09 1995	मंगल	मई 05 2005	राहु	अगस्त 19 2014
मंगल	मई 09 1996	राहु	मई 23 2006	बृहस्पति	जनवरी 11 2017
राहु	नवंबर 08 1997	बृहस्पति	अप्रैल 29 2007	शनि	नवंबर 17 2019
बृहस्पति	मार्च 10 1999	शनि	जून 07 2008	बुध	जून 05 2022
शनि	अक्टूबर 08 2000	बुध	जून 04 2009	केतु	जून 23 2023
बुध	मार्च 09 2002	केतु	अक्टूबर 31 2009	शुक्र	जून 22 2026
केतु	अक्टूबर 08 2002	शुक्र	दिसंबर 31 2010	सूर्य	मई 17 2027
शुक्र	जून 07 2004	सूर्य	मई 08 2011	चंद्रमा	नवंबर 15 2028
सूर्य	दिसंबर 07 2004	चंद्रमा	दिसंबर 07 2011	मंगल	दिसंबर 03 2029

बृहस्पति		शनि		बुध	
बुध जनवरी 21 2032	गुरु नवंबर 30 2045	बुध दिसंबर 02 2048	बुध नवंबर 26 2064	रवि अप्रैल 24 2067	शुक्र नवंबर 21 2081
बृहस्पति	जनवरी 21 2032	शनि	दिसंबर 02 2048	बुध	अप्रैल 24 2067
शनि	अगस्त 03 2034	बुध	अगस्त 11 2051	केतु	अप्रैल 20 2068
बुध	नवंबर 07 2036	केतु	सितंबर 19 2052	शुक्र	फरवरी 18 2071
केतु	अक्टूबर 14 2037	शुक्र	नवंबर 19 2055	सूर्य	दिसंबर 25 2071
शुक्र	जून 13 2040	सूर्य	अक्टूबर 31 2056	चंद्रमा	मई 25 2073
सूर्य	अप्रैल 01 2041	चंद्रमा	जून 01 2058	मंगल	मई 22 2074
चंद्रमा	अगस्त 01 2042	मंगल	जुलाई 11 2059	राहु	दिसंबर 08 2076
मंगल	जुलाई 08 2043	राहु	मई 16 2062	बृहस्पति	मार्च 15 2079
राहु	नवंबर 30 2045	बृहस्पति	नवंबर 26 2064	शनि	नवंबर 21 2081

विंशोत्तरी दशा - 2

केतु		शुक्र		सूर्य	
रवि	अप्रैल 19 2082	शुक्र	मार्च 21 2092	बुद्ध	मार्च 06 2109
शनि	नवंबर 20 2088	शुक्र	नवंबर 16 2108	शनि	नवंबर 17 2114
केतु	अप्रैल 19 2082	शुक्र	मार्च 21 2092	सूर्य	मार्च 06 2109
शुक्र	जून 19 2083	सूर्य	मार्च 21 2093	चंद्रमा	सितंबर 05 2109
सूर्य	अक्टूबर 25 2083	चंद्रमा	नवंबर 19 2094	मंगल	जनवरी 11 2110
चंद्रमा	मई 25 2084	मंगल	जनवरी 19 2096	राहु	दिसंबर 06 2110
मंगल	अक्टूबर 21 2084	राहु	जनवरी 18 2099	बृहस्पति	सितंबर 24 2111
राहु	नवंबर 08 2085	बृहस्पति	सितंबर 18 2101	शनि	सितंबर 05 2112
बृहस्पति	अक्टूबर 15 2086	शनि	नवंबर 17 2104	बुध	जुलाई 12 2113
शनि	नवंबर 24 2087	बुध	सितंबर 17 2107	केतु	नवंबर 17 2113
बुध	नवंबर 20 2088	केतु	नवंबर 16 2108	शुक्र	नवंबर 17 2114

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	राहु	शुक्र दिसंबर 09 2011 रात 12:00 बजे	रवि दिसंबर 09 2029 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	शुक्र	मंगल जून 27 2023 रात 11:00 बजे	शनि जून 27 2026 शाम 7:00 बजे
पर्यातर्दशा	मंगल	मंगल मई 21 2024 शाम 5:00 बजे	बुद्ध जुलाई 24 2024 दोपहर 3:10 बजे
शुक्रशमदाशा	सूर्य	मंगल जुलाई 16 2024 रात 2:36 बजे	शुक्र जुलाई 19 2024 सुबह 7:19 बजे
प्रणादशा	बृहस्पति	बुद्ध जुलाई 17 2024 बहुत सवेरे 4:49 बजे	बुद्ध जुलाई 17 2024 दोपहर 3:02 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : तुला

विशेषताएँ	जंगम, हवादार, पश्चिम
भाग्यशाली रूप	डायमंड
भगवान्	शुक्र
प्रतीक	तराजू
उपवास का दिन	शुक्रवार

|ॐ अश्वधजाय विश्वे धनुर् हस्ताय धीमहि तत्रो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

तुला लग्न होने के कारण, आप स्वभाव से बहुत संतुलित हैं और अपने शांत स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। आप चिड़चिड़े, शांत, प्रतिभाशाली, सहज और तर्क, दूरदर्शिता और न्याय में उत्कृष्ट हो सकते हैं। आप कूटनीतिक बने रहेंगे और संभाल लेंगे। आसानी से बातचीत। आप विलासिता से प्यार करेंगे, अच्छे संयोजन के साथ आपको इस पर सम्मानित किया जाएगा। प्रतिकूल संयोजनों के साथ आप उग्र, ईर्ष्यालु होंगे और आपके पास जो भी धन है उसे खो सकते हैं। आपको बच्चे होने में देरी होगी या परेशानी होगी वाले।

संतुलन और सद्ग्राव की आपकी अंतर्निहित भावना आपको जीवन के सभी पहलुओं में निष्पक्षता और सुंदरता की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। आप सामाजिक संबंधों को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 2 गृह मे है। एक अत्यंत रचनात्मक व्यक्ति के रूप में, आपके पास हर चीज के लिए एक परिष्कृत स्वाद होगा। आप अपने पारिवारिक मूल्यों से बहुत प्रभावित होंगे और यह उन संबंधों में परिलक्षित होगा जो आप अन्य लोगों के साथ बनाते हैं। पैसा बहुत महत्वपूर्ण होगा आपसे।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

ध्यान और चिंतन के माध्यम से आंतरिक संतुलन विकसित करें। सुंदरता के प्रति आपका प्रेम आपको ईश्वर की सराहना की ओर ले जाए।

सकारात्मक लक्षण

कूटनीतिक

आकर्षक

सामाजिक

कलात्मक

नकारात्मक लक्षण

अनिर्णायिक

लोगों को प्रसन्न करने वाला

भोगवादी

सतही



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें